मनसा सेवा - 80

अव्यक्त बापदादा :- (15/12/99)

➳ _ ➳ ऐसे श्रेष्ठ शुद्ध संकल्प में इतनी ताकत है जो आपके कैचिंग पावर, वायब्रेशन कैच करने की पावर, बहुत बढ़ सकती है। यह वायरलेस, यह टेलीफोन. जैसे यह साइंस का साधन कार्य करता है वैसे यह शुद्ध संकल्प का खजाना, ऐसा ही कार्य करेगा जो लण्डन में बैठे हुए कोई भी आत्मा का वायब्रेशन आपको ऐसे ही स्पष्ट कैच होगा जैसे यह वायरलेस या टेलीफोन, टी.वी. यह जो भी साधन हैं, कितने साधन निकल गये हैं, इससे भी स्पष्ट आपकी कैचिंग पावर, एकाग्रता की शक्ति से बढ़ेगी।

➳ _ ➳ यह आधार तो खत्म होने ही हैं। यह सब साधन किस आधार पर हैं? लाइट के आधार पर। जो भी सुख के साधन हैं मैजारिटी लाइट के आधार पर हैं। तो क्या आपकी आध्यात्मिक लाइट, आत्मा लाइट यह कार्य नहीं कर सकती! जो चाहो वायब्रेशन नजदीक के, दूर के कैच कर सकेंगे। अभी क्या है, **एकाग्रता की शक्ति मन-बुद्धि दोनों ही एकाग्र हो तब कैचिंग पावर होगी। बहुत अनुभव करेंगे। संकल्प किया - नि:स्वार्थ, स्वच्छ, स्पष्ट वह बहुत क्विक अनुभव करायेगा।**

➢➢ कैचिंग पावर

➳ _ ➳ **जितनी मन बुद्धि को एकाग्र करने की शक्ति होगी उतनी ज्यादा कैचिंग पावर आयेगी**

→ कैचिंग पावर अर्थात capturing power

→ कैचिंग पावर अर्थात पकड़ने की शक्ति

→ कैचिंग पावर अर्थात अपने अधिकार मे कर लेना

→ कैचिंग पावर अर्थात अर्जित करना

➳ _ ➳ संसार मे दो प्रकार की ध्वनियां है

→ आहत नाद

→ अनहद नाद

➳ _ ➳ आहत नाद

→ **जो घर्षण से उत्पन्न होता है**

→ दो चीजो के टकराव होता है तो जो आवाज होती है

→ जो सुनी जा सकती है

➳ _ ➳ अनहद नाद

→ जो बिना घर्षण के बिना टकराव के उत्पन्न होती है

- उस ध्वनि को ढूंढने के लिए मुनियों ने बहुत प्रयत्न किए

→ **वो नाद जो बिना किसी टकराव के होता वो अनहद नाद है**

- **वो स्वत: गुंजित है**
- उसे सुनने के लिए बहुत सारी साधनाओं की आवश्यकता है
- ओम की ध्वनि उस आवाज के नजदीक है

→ **व्यक्ति जब इस सृष्टि की सब आवाजों से परे जाता है वो उस अनहद नाद को पकड सकता है**

→ **जैसे मन की स्थिति सूक्ष्म होती जाती है आत्मा कैच करने लगती है**

→ वायब्रेशनस कैच करना बहुत बडी बात है।

➢➢ किन किन बातों को कैच करना है ??

➽ _ ➽ 1. दस प्रकार की पुकार

→ समय की, प्रकृति की, आत्माओं की, एडवांस पार्टी की आत्माओं की, कर्तव्य की, बापदादा की आवाज, सम्पूर्ण स्वरूप की, काल, मधुबन, अन्तकरण की इन को कैच करना

→ मुख्य रूप से दो

- **बापदादा की आवाज, सिगनल, वारनिंग, श्रीमत, उसकी सूक्ष्मता को कैच करना**
- आत्माओं के thought feelings desires emotions को कैच करना

➽ _ ➽ 2. Future happenings

→ योगी की साधना जितनी सूक्ष्म होने लगती है उसे ये पता चलता है कि भविष्य मे क्या होने वाला है

→ intusion होने लगती है जो हुआ नही है अघटित है उनको कैच करना

➽ _ ➽ 3. Circumstances

→ अभी जिस प्रकार की परिस्थिति है उसमे क्या किया जाए उसकी टचिंग

→ अचानक से कोई बीमारी आ गई किसी के द्वारा आ सकती है तो परिस्थितियों मे क्या करना है इसकी टचिग

➽ _ ➽ 4. problems का solution

→ कब तक दूसरो को अपनी प्रोबल्म बताते रहेगे ?

→ संसार का कोई व्यक्ति क्या हमारी प्रोबल्म solve कर सकता है ?

→ क्या कोई दूसरा स्व के प्रशन उत्तर दे सकता है ?

- **उत्तर स्वयं से ही निकलेगा अवचेतन मे ही छिपा है**

➽ _ ➽ **कहीं बाहर से प्रोबल्म का हल नही मिल सकता**

→ अंदर की ही कमी है

→ पूछ कर guidance ले सकते है

➽ _ ➽ **5. अपने ऑरिजनल और अनादि संस्कारों को कैच करना**

→ अपने ओरिजनल संस्कारो को कैच करो

→ तुम थे उन स्मृतियों मे स्थित हो जाओ।

→ **<u>सम्पूर्ण निर्विकारी की स्मृति हो</u>**

- तो वैसा देह शांत हो सकता है
- चित भी शांत हो सकता है

➽ _ ➽ **<u>6. चाहे क्लास कराना चाहे भाषण करना हो चाहे ज्ञान सुनाना हो उस समय क्या बोलना है उसको कैच करना</u>**

→ अचानक से सभा है ऐसा क्या बोला जाए ऐसा कहा जाए तो सीधा तीर की तरह लग जाए

→ उसे वही चाहिए था वो मिल जाए उस चीज को कैच करना

➽ _ ➽ 7. अपनी मृत्यु का समय और स्थान

→ काल की आवाज, काल क्या कह रहा है?

→ हमसे कुछ कह रहा है

- ये है अपनी मृत्यु की समय और स्थान

→ **योगी जो होते है उन्हे पता चल जाता है कि हम जाने वाले है**

- वो अपने आप को सब तरफ से समेट लेते है
- डेट टाइम प्लेस पता चल जाता है

➽ _ ➽ 8. अंतर्श्रवण अंतर्दृष्टि

→ हम यहां है व दूर व्यक्ति क्या कर रहे है क्या कह रहे है वो देख सकना व वो सुन सकना

→ जिस व्यक्ति को जिस परिस्थिति को हम ईमर्ज करेगे तो उस स्थान पर क्या हो रहा है वो हम देख सकेगे या सुन सकेगे

➽ _ ➽ इन सबको पकडना है

➽ _ ➽ **<u>अन्त:वाहक शरीर द्वारा आत्माओं तक जाओ सुनो मदद करो</u>**

➽ _ ➽ फरिश्ता गए मदद की वापिस आ गए।

→ **<u>संकल्प से आत्माओं को टच करना है</u>**

→ **<u>फरिश्ता रूप धारण कर आत्माओं के पास जाना है</u>**